सेन्ट्रल बंगलादेश ऐंड कमेटी तथा इण्डियन रेड क्रास सोसायटी के विरुद्ध शिकायतें मिली है ; और

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने इस मामले में जांच कराई है ; और यदि हां, तो क्या निष्कर्ष निकले ?

श्रम और पुनर्वास मंत्री (श्री आर० के० खाडिलकर) : (क) भारतीय रेड क्रास सोसायटी और बंगला देश राहत सहायता समिति स्वायत्त संगठन है। इन संगठनो द्वारा शरणार्थियों को खाद्यानों के असन्तोषप्रद वितरण सम्बन्धी आरोपो के बारे मे विशेष शिकायत प्राप्त नही हुई है ।

(ख) प्रश्न नही उठता ।

सिंहभूम (बिहार) से बोकारो इस्पात परियोजना के लिए लोह-अयस्क और मैंगनीज खरीदने का प्रस्ताव

3289. **श्री मधुकर** : क्या **इस्पात और खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या केन्द्रीय सरकार का ध्यान बिहार के खान मंत्री द्वारा इस तथ्य की ओर दिलाया गया है कि बिहार के सिंहभूम में ही काफी मात्रा मे लौह-अयस्क और मैंगनीज मिलता है ;

(ख) यदि हां, तो बोकारो इस्पात कारखाने के लिए खनिज तथा धातु व्यापार निगम के माध्यम से उड़ीसा से यह माल क्यों खरीदा जाता है ; और

(ग) क्या सरकार का प्रस्ताव बोकारो इस्पात कारखाने के लिए बिहार के सिंहभूम में प्राथमिकता के आधार पर लौह-अयस्क और मैंगनीज खरीदने का है ?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) जी नही।

(ख) खनिज तथा धातु व्यापार निगम के माध्यम से केवल मैंगनीज अयस्क ही खरीदा जाता है जिसे निगम बहुत से स्रोतों से माल खरीदती है ।

(ग) बोकारो इस्पात कारखाने के प्रथम चरण के लिए आवश्यक लोह-अयस्क की आपूर्ति के लिए बिहार की किरीबुरु खदानों का विस्तार किया जा रहा है । इस्पात कारखाने के द्वितीय चरण मे लोह-अयस्क की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए मेघाताबुरु की खानों का विकास करने का निर्णय लिया गया है । अब भी इस्पात कारखाने के लिए आवश्यक अयस्क ढलो की आपूर्ति किरीबुरु की खानों मे की जा रही है इस खान की विस्तार योजना पूरी हो जाने मे इस स्रोत से बारीक लोह-अयस्क की कुछ मात्रा उपलब्ध हो जायेगी । फिर भी चूंकि यह खान बोकारो इस्पात कारखाने की बारीक लोह अयस्क की कुल आवश्यकता पूरी नहीं कर सकेगी अत: जब तक मेघाताबुरु का विकास पूरा नहीं हो जाता तब तक बारीक अयस्क की कुछ मात्रा अन्य स्रोतों से ली जाती रहेगी ।